10 जुलाई, 2010 को 1130 बजे साधु कल्याण मण्डपम, कन्नूर, केरल में तेरहवां ए. के. नायर उत्कृष्टता स्मारक पुरस्कार प्रदान किये जाने के अवसर पर भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री मो. हामिद अंसारी का अभिभाषण

देश-विदेश में मशहूर उत्तरी मालाबार आकर मुझे बहुत खुशी हो रही है। उत्तरी मालाबार वाणिज्य मंडल तथा ए.के.नायर स्मारक विन्यास समिति द्वारा आयोजित आज के समारोह में भाग लेकर मुझे अपार हर्ष हो रहा है। ए. के. नायर उत्कृष्टता पुरस्कार केरल की प्रख्यात हस्तियों को उनके व्यवसायों में राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय, दोनों स्तरों पर हासिल उपलब्धियों में उनके योगदान के लिए सम्मानिक करता है। यह बिल्कुल उपयुक्त है कि विन्यास समिति ने प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव श्री टी. के. ए. नायर को तेरहवां ए. के. नायर स्मारक पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय लिया है।

न तो इस श्रोतासमूह को और न ही किसी अन्य श्रोता समूह को श्री नायर के परिचय की आवश्यकता है। उनके हाथ अदृश्य रहते हैं पर उनकी सलाह को सम्मान की दृष्टि से देखा जाता है। बतौर वरिष्ठ सिविल सेवक अपनी कार्यावधि में उन्होंने स्थानीय, राज्य और केन्द्रीय सरकार के स्तरों पर शासन की व्यापक जानकारी प्राप्त कर ली है। वह राज्य और केन्द्रीय सरकार, दोनों स्तरों पर अग्रणी पदों पर रहे हैं और वह विशेष तौर पर अवसंरचना विकास, विकास योजना और सरकारी तथा सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के जटिल मुद्दों के प्रबंधन के क्षेत्र में कई कदम उठाने के माध्यम बने हैं।

आज का पुरस्कार श्री नायर के अपने राज्य के प्रति योगदान, विशेषकर अवसरंचना निर्माण, विकास की विशाल परियोजनाओं को शुरु कराने और रोज़गार सृजन के क्षेत्र में उनके योगदान की स्वीकृति है। यह उनके प्रयासों और उद्यम का उपयुक्त सम्मान है और उनके

समुदाय, क्षेत्र और राज्य द्वारा उनके प्रति सम्मान का प्रतीक है। यह मनुष्यों के एक वर्ग, जिसे हम सिविल सेवक कहते हैं, को भी इज्जत देना है।

मैं उत्तरी मालाबार वाणिज्य मंडल तथा ए. के. नायर स्मारक विन्यास समिति का आभारी हूँ कि उन्होंने मुझे इस समारोह में आमंत्रित किया और यह प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त करने पर श्री टी. के. ए. नायर को मैं एक बार फिर से बधाई देता हूँ।